

◆ ‘जब तक हिमालय रहेगा ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा।’ इसका क्या तात्पर्य है?

ഹිමාලය ඉන්නිංගොලු කාපා ජ්‍යෙෂ්ඨ වෘත්ත තීරු ප්‍රජාවාදී නිපැලීන් හෝ ආක්‍රමණකාරී?

सूरज हिमालय के ऊपर के शिखरों से अन्य शिखरों तक पुहुँचते वक्त उस इलाके में ऋतु परिवर्तन होता है। सूरज की किरणें सीधे पड़ती जगह में गर्मी और दूसरी जगह में सर्दी हो जाती है। सुबह मीमालय तीरු छुकलीले कොടුවුනික ලිපුන් මුදු කොടුවුනික ලිපුන් එතැයුවායා ඇ ප්‍රධේශීන් ජ්‍යෙෂ්ඨ වෘත්ත තීරු ඉංගාකුනු, සුබකිරීණයා ගෙවිදු පතිකුනු ස්‍යාලත් පෙනුවා මුදාගත් තීරුපුදු ඉංගාකුනු.

- ♦ उपर्युक्त विषय पर पोस्टर तैयार करें।

ବୁଝାଇଲୁ କେବଳଗୁଡ଼ିକୁଡ଼ି ପିଅଇଲାଗିଲା ହୋଇଥାଏଇବାବାରୀ।



ପ୍ରକୃତି ହମାରୀ ମାଁ ହୈ!
ଉସେ ସଂଭାଲେ !!
ପ୍ରକୃତି କେ ବିନା ହମାରା ଜୀବନ ସଂଭବ ନହିଁ ।
ପର୍ଯ୍ୟାକରଣ ସଂରକ୍ଷଣ ସମିତି

- ♦ ये वाक्य पढ़ें। शुगुणमाला प्रयोग।
 - बसंत फूलदेई का त्योहार लेकर आता है।
 - देर शाम तक बच्चे फूल चुनते हैं।
 - सुबह पौ फटते ही बच्चों की टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं।
- रेखांकित शब्द, क्रिया के किस समय को सूचित करते हैं।
चर्चा करें। अडीपरियाँ वाक्यमुक्ति (क्रियायुक्त) एवं उपरित उपरित सुचित
मर्गान्? उत्तर छपाओ।

सामान्य वर्तमानकाल

ପ୍ରଧାନମୁଖ୍ୟ ଉଦ୍ଦର୍ଶନଙ୍କୁ ଏହାରୁ ସୁଶୀଳିତ କରୁଣା କରିବାରୀ କରିବାରୀ
ପାଇଲୁ ପ୍ରକାଶ ଦ୍ୱାରା ପରିଚୟମାତ୍ର କରାଯାଇଥାଏଇବାବାରୀ।

- ♦ ऐसे अन्य वाक्य लिखें। शୁଣିପାଇଯୁକ୍ତ ଛନ୍ଦ ପାଇୟାଇ ଏହାରୁ।
 - जेठ तक सूरज हर सुबह बालिशत भर छलाँग मारता है।
 - वे बच्चों को चावल, गुड़, दाल आदि देते हैं।
 - सारे काम बच्चे करते हैं।
 - इधर बड़े ढोल-ढमाऊ की थाप पर चैती गीत गाते हैं।
 - वे जानवरों के साथ-साथ कीड़ा-जड़ी, करण और चुरू
जैसी दुर्लभ हିମାଲୟୀ ଜଡ଼ି ବା ଔଷଧିଯାଁ ଭିନ୍ନ ବେଚते हैं।
 - अपने घर की छत से मैं बଦ୍ରୀନାଥ ଯାତ୍ରା ମାର୍ଗ କी ଭୀଡ଼
ଦେଖତା हୁଁ।
 - सूरज चୌଖିଂଭା କे ଶିଖର ଥିଲା ଉଗାତା ହୈ।